की बकाया ऋण की राशि नीचे दी गई है:—

(करोड़ रुपए)

की अन्त की स्थिति के अनुसार	कृषि (प्रत्यक्ष वित्त)	लघु उद्योग (एसएसआई)
सितम्बर, 1991	10464 (15.%)	10400
सितम्बर, 1992	11181 (14.%)	11316

(कोष्ठक के आंकड़े कुल ऋण की तुलना में प्रतिशतता को दर्शाते हैं)

उक्त से यह देखा जा सकता है कि कृषि और लघु उद्योगों को बकाया राशि में कुल मिलाकर वृद्धि हुई है। प्रतिशतता उपलब्धि के अनुसार, कृषि क्षेत्र के लिए 18% के निर्धारित लक्ष्य को अभी तक प्राप्त नहीं किया गया है। भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक ने समस्त बैंकों को निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपाय करने के लिए कहा है।

प्रति व्यक्ति आय में गिरावट

88. डा० जितेन्द्र कुमार जैन:
श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1990–91 की तुलना में वर्ष 1991–92 में देश में प्रति व्यक्ति आय में गिरावट आयी;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1990–91 और 1991–92 के लिये देश में प्रति व्यक्ति आय के आंकड़े क्या हैं;

(ग) चालू वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही के दौरान देश में अनुमानित प्रति व्यक्ति आय क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि 1990–91, 1991–92 और 1992–93 के वित्तीय वर्ष के दौरान देश में विदेशी पूंजी के अन्तः प्रवाह में निरंतर वृद्धि हुई है; और

(ङ) यदि हां, तो प्रति व्यक्ति आय में निरंतर कमी आने के क्या कारण हैं।

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० अबरार अहमद) : (क) और (ख) त्वरित अनुमानों के अनुसार, स्थिर कीमतों (1980–81) पर प्रति व्यक्ति आय (उत्पादन लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद) 1990–91 में 2199 रुपए की तुलना में 1991–92 में 2174 रुपए थी। जिससे 1.1 प्रतिशत की गिरावट का पता चलता है। वर्तमान कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय 1990-91 के दौरान 4934 रुपए की तुलना में वर्ष 1991.92 में 5529 रुपए होने का अनुमान है जिससे 12.1 प्रतिशत की वृद्धि जाहिर होती है।

(ग) सूचना उपलब्ध नहीं है। तथापि राष्ट्रीय आय के अग्रिम अनुमानों के अनुसार वर्ष 1992-93 के दौरान स्थिर कीमतों पर प्रति व्यक्ति आय बढ़ कर 2282 रुपए होने की आशा की जाती है।

(घ) वर्तमान कीमतों पर राष्ट्रीय आय लेखे के त्वरित अनुमानो के अनुसार विदेशी पूंजी का निवल अन्तः प्रवाह वर्ष 1990-91 और 1991-92 के लिए क्रमशः 14684 करोड़ रुपए और 7368 करोड़ रुपए है।

(ङ) प्रति व्यक्ति आय स्थिर (1980-81) कीमतों और वर्तमान कीमतों, दोनों में ही पिछले वर्षों में लगातार वृद्धि देखी गयी है केवल 1991-92 को छोड़कर जबकि स्थिर कीमतों (1980-81) में उसमें मामूली सी गिरावट दिखाई दी। इसका कारण यह है कि स्थिर कीमतों (1980-81) में उपादान लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद में 1990-91 की तुलना में 1991-92 के दौरान केवल 0.9 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसके विपरीत इसी अवधि में जनसंख्या में 2 प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई। 1992-93 में प्रति व्यक्ति आय में लगभग 2 प्रतिशत की वृद्धि होने की आशा है।

Implementation of Narasimham Committee Report on Banking Reforms

89. SHRI SOM PAL: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the recommendations of the Narasimham Committee with regard to banking reforms have not been implemented in totally so far;

(b) if so, what are the reasons therefor;

(c) what are the recommenadtions which have not been implemented so far; and

(d) by when these recommendations will be implemented?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) to (d) Initiatives taken pursuant to the Committee's recommendations include reduction in Statutory Liquidity Ratio (SLR) and Cash Reserve Ratio (CRR), simplification of interest rate structure, positioning of norms in respect of capital adequacy, income recognition and provisioning requirements, revision of balance sheet and profit and loss formats for ensuring greater transparency, revision of Reserve Bank of India guidelines for branch licensing, initiation of process of converting Industrial Finance Corporation of India (IFCI) into a company, issue of giudelines on entry of new private sector banks, etc. Government have decided to implement the recommendations of the Committee in a phased manner.

Discussion with the Managing Director of World Bank

90. SHRI GHULAM AZAM:
PROF. SAURIN BHATTACHARYA:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether Government had detailed discussion with the Managing Director and his team of officials of World Bank recently;

(b) if so, what are the outline and outcome of such discussion vis-a-vis in relation to financing of projects, areas identified with details of protects and terms enumerated;

(c) whether stringent pre-conditions have been imposed by the bank; and

(d) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE AND MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (DR. ABRAR AHMED): (a) to (d) Mr. Earnest Stern, Managing Director of the World Bank was in New Delhi from February 7 to 12, 1993 on an official visit. Discussions with him included the volume and nature of future World Bank support to India's reform process, the performance